SPECIMEN QCAB FOR INDIAN LANGUAGE (COMPULSORY) PAPERS

URC-C-HND

QR CODE

हिन्दी (अनिवार्य)

HINDI (Compulsory)

कार्यालय के प्रयोग हेतु
For Official Use

*निर्धारित समय : **तीन घंटे***
*Time Allowed : **Three** Hours*

*अधिकतम अंक : **300***
*Maximum Marks : **300***

सामान्य अनुदेश

*इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में **36+8** पृष्ठ हैं । प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं ।*

रफ़ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिए गए हैं ।

कृपया यह जाँच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, कोई पृष्ठ फटा हुआ न हो अथवा गायब आदि न हो । ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें ।

General Instructions

*This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains **36+7** pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidates after the examination.*

For rough work, blank pages have been provided at the end of this Booklet.

Please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages, etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाए/To be filled by the Candidate)

परीक्षा का नाम/Name of Examination : ....

अनुक्रमांक/Roll No. | | | | | | | |

प्रश्न–सह–उत्तर पुस्तिका संख्या
QCA Booklet No.

1007067

SPECIMEN

QR CODE

हिंदी (अनिवार्य)

HINDI (Compulsory)

कार्यालय के प्रयोग हेतु
For Official Use

उपस्थिति सं.
Attendance No.

(पर्यवेक्षक द्वारा भरा जाए /
To be filled by the Supervisor)

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्त्वपूर्ण अनुदेश	Important Instructions
	उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानीपूर्वक पढ़ लेने चाहिए । किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने, इत्यादि के रूप में दंडित किया जा सकता है ।	**Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examinations of the Commission, etc.**
1	(क) अपना अनुक्रमांक एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें । (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, अनुक्रमांक, मोबाइल नम्बर, पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका संख्या, इत्यादि न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो ।	(a) Write your Roll Number and other details only in the space provided in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Roll Number, Mobile Number, Address, Question-cum-Answer (QCA) Booklet No., etc. elsewhere in the Booklet.
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति, इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिह्न/निशान बनाएँ जिसका उत्तर से संबंध न हो ।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression, etc. nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें ।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें । इस प्रकार के उत्तरों का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है ।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें । उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें । हालांकि आरेख, चित्र, इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है ।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए अधिकृत माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें । उत्तर लिखने के लिए अधिकृत और अनाधिकृत की मिली-जुली भाषा का भी उपयोग न करें ।	Do not write answers in a medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorized and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें । पुस्तिका में निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।	Write answers at the specified space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the Booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं, तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है ।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

SPECIMEN

हिन्दी / HINDI
(अनिवार्य) / (COMPULSORY)

निर्धारित समय : तीन घंटे Time Allowed : Three Hours	अधिकतम अंक : 300 Maximum Marks : 300

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है ।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।

*उत्तर **हिन्दी** में ही लिखे जाएँगे, यदि किसी प्रश्न-विशेष में अन्यथा निर्दिष्ट न हो ।*

जिन प्रश्नों के संबंध में अधिकतम शब्द-संख्या निर्धारित है, वहाँ इसका अनुपालन किया जाना चाहिए । यदि किसी प्रश्न का उत्तर, निर्धारित शब्द-संख्या की तुलना में काफी लंबा या छोटा है, तो अंकों की कटौती की जा सकती है ।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका का कोई भी पृष्ठ अथवा पृष्ठ का भाग, जो खाली छोड़ा गया हो, उसे स्पष्ट रूप से काट दिया जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

All questions are to be attempted.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

*Answers must be written in **HINDI** unless otherwise directed in the question.*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SPECIMEN

Q1. **निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर 600 शब्दों में निबन्ध लिखिए :** ***100***

(a) भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति

(b) भारतीय कृषक क़ानून, 2020 की सार्थकता

(c) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 की चुनौतियाँ

(d) वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धि (AI) की उपयोगिता

उ[redacted]ारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPECIMEN

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPECIMEN

उम[redacted]ों को इस
हाशिए [redacted] नहीं
लिखना चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

SPECIMEN

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPECIMEN

उ[redacted]रों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPECIMEN

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPECIMEN

Q2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर स्पष्ट, सही और संक्षिप्त भाषा में दीजिए : ***12×5=60***

उम्मीदवार को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जीवन और पर्यावरण एक-दूसरे से संबद्ध हैं । समस्त जीवधारियों का जीवन उनके पर्यावरण की ही उपज होता है । अतः हमारे तन-मन की रचना, शक्ति, सामर्थ्य और विशेषताएँ उस संपूर्ण पर्यावरण से ही नियंत्रित होती हैं, उसी में वे पनपती हैं और विकास पाती हैं । वस्तुतः जीवन और पर्यावरण एक-दूसरे से इतने जुड़े हुए हैं कि दोनों का सह-अस्तित्व बहुत आवश्यक है ।

पर्यावरण हमारा रक्षा कवच है जो प्रकृति से हमें विरासत में मिला है । यह हम सब का पालनहार और जीवनाधार है । पर्यावरण मूलतः प्रकृति की देन है । यह भूमि, वन-पर्वतों, नद-निर्झरों, मरुस्थलों, मैदानों, घास के जंगलों, रंग-बिरंगे पशु-पक्षियों, स्वच्छ जल से भरी लहलहाती झीलों और सरोवरों से भरा है । इस पर बहती शीतल, मंद सुगंध वायु तथा उमड़ते और अमृतधार बरसाते बादल — ये सभी धरती पर बसने वाले मनुष्यों के विकास और सुख-समृद्धि के लिए एक संतुलित पर्यावरण का निर्माण करते हैं । किंतु पर्यावरण का यह प्राकृतिक संतुलन बड़ी तेज़ी से बिगड़ता जा रहा है । आश्चर्य होता है कि मनुष्य धरती के इन स्रोतों का कितना अंधाधुंध दोहन करता जा रहा है, वह इसके वरदानों का इस प्रकार अविवेकपूर्ण दुरुपयोग कर रहा है कि सारा प्रकृति-तंत्र गड़बड़ा गया है । अब वह दिन दूर नहीं लगता जब धरती पर हज़ारों शताब्दियों पुराना हिम-युग लौट आए अथवा ध्रुवों पर जमी बर्फ़ की मोटी परत पिघल जाने से समुद्र की प्रलयंकारी लहरें नगरों, वन-पर्वतों और जीव-जंतुओं को निगल जाएँ ।

निश्चय ही पर्यावरण को विकृत और दूषित करने वाली समस्त विपदाएँ हमारी अपनी ही लाई हुई हैं । हम स्वयं प्रकृति का संतुलन बिगाड़ रहे हैं । इसी असंतुलन से भूमि, वायु, जल और ध्वनि के प्रदूषण उत्पन्न होते हैं । पर्यावरण-प्रदूषण से फेफड़ों के रोग, हृदय और पेट की बीमारियाँ, दृष्टि और श्रवण क्षतियाँ, मानसिक तनाव और अन्य तनाव संबंधित रोग पैदा हो रहे हैं । हम सभी जानते हैं कि धरती पर जीवन प्रकृति संतुलन से ही संभव हो सका है । धरती वनस्पतियों से ढक न जाए, इसलिए घास खाने वाले जानवर पर्याप्त संख्या में थे । इन घास खाने वाले जानवरों की संख्या को संतुलित-सीमित रखने के लिए हिंस्र जंतु भी थे । इन तीनों का अनुपात संतुलित और नियंत्रित था । आधुनिक युग में वैज्ञानिक आविष्कारों और उद्योग-धंधों के विकास-फैलाव के साथ-साथ जनसंख्या का भी भयावह विस्फोट हुआ है ।

SPECIMEN

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Q2(a) इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए कि 'जीवन और पर्यावरण एक-दूसरे से संबद्ध हैं'। *12*

Q2(b) पर्यावरण और प्रकृति का क्या संबंध माना गया है ? *12*

SPECIMEN

Q2(c) प्रकृति संतुलित पर्यावरण का निर्माण कैसे करती हैं ? *12*

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Q2(d) पर्यावरण-असंतुलन के कारण क्या संकट होते हैं ? *12*

SPECIMEN

Q2(e) पर्यावरण-प्रदूषण से कौन-कौन सी बीमारियाँ पैदा हो रही हैं ? 12

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPECIMEN

Q3. निम्नलिखित अनुच्छेद का सारांश लगभग एक-तिहाई शब्दों में लिखिए । इसका शीर्षक लिखने की आवश्यकता नहीं है । सारांश अपने शब्दों में ही लिखिए : ***60***

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत की एकता और स्वतंत्रता एक ही तस्वीर के दो पहलू हैं । अगर हमारी एकता हाथ से निकलती है तो स्वतंत्रता भी दरवाज़ा खोलकर बाहर निकल जाएगी । इसलिए समस्त भारतवासियों का पहला कर्तव्य यह है कि पूरी निष्ठा से अपनी राष्ट्रीय एकता की रक्षा करें । देश अपनी समस्त भाषाई समस्याओं से भी बड़ा और विशाल है । एकता की रक्षा के लिए हमें अपमान सहना पड़े तो हमें उसे भी सह लेना चाहिए । एकता की रक्षा के लिए यदि हमें अन्याय सहना पड़े तो हम अन्याय को भी सहेंगे । यह सब इसलिए सहना है कि भारत की एकता जब पुष्ट और बलवती हो जाएगी, तब कोई भी हमारा अपमान नहीं कर पाएगा । तब देश का एक भाग किसी दूसरे भाग के साथ अन्याय करना भी भूल जाएगा । आज हमारी आर्थिक स्थिति मज़बूत है तो हमारे झगड़े भी ख़त्म होंगे । यदि वे रहते भी हैं तो उनमें पहले जैसी कटुता नहीं रह जाएगी क्योंकि समृद्धि व्यक्ति की सोच को प्रभावित करती है ।

एकता की रक्षा के साथ-साथ हमारा दूसरा कर्तव्य यह है कि हम भारत के उस रूप को सुधारने की कोशिश करें जिसे साकार करने के लिए वह स्वाधीन हुआ है । भारत की आज़ादी को प्राप्त हुए 73 वर्ष हो चुके हैं लेकिन अभी हमें और भी नई मंज़िलें तय करनी हैं । स्वाधीनता केवल रोटी का पर्याय नहीं है । स्वाधीनता केवल कारख़ानों की स्थापना करने की योग्यता नहीं है । स्वाधीनता का वास्तविक अर्थ आत्मा की वह स्वतंत्रता, मानस की वह मुक्ति है, जिसके कारण राष्ट्र अपने व्यक्तित्व को पूर्ण रूप से अभिव्यक्त करता है । यदि कोई व्यक्ति भूखा है तो उसके सामने दर्शन पर भाषण देना व्यर्थ है ।

SPECIMEN

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत कोई नया देश नहीं है । जिस भाषा में उसकी संस्कृति का विकास हुआ, वह संसार की सबसे प्राचीन भाषा है; जो ग्रंथ भारतीय सभ्यता का आदि ग्रंथ समझा जाता है वही संपूर्ण मानवता का भी प्राचीनतम ग्रंथ है । अनेक विदेशी आक्रमणों के बाद भी भारत अपनी संस्कृति से मुँह मोड़ने के लिए तैयार नहीं हुआ । नवीन औद्योगिक तथा वैज्ञानिक सभ्यता भी भारत से उसके अतीत का प्रेम नहीं छीन सकती । सत्य केवल वही नहीं है जो पिछले ढाई-सौ वर्षों से हमारे सामने परोसा गया है बल्कि उस ज्ञान का भी बहुत-सा अंश सत्य है जिसका विकास पिछले छह हज़ार वर्षों में हुआ है । भारत को न केवल वह नवीन सत्य चाहिए जो भौतिक समृद्धि को संभव बनाता है, परन्तु प्राचीनकाल का वह सत्य भी चाहिए जो भौतिक समृद्धि के लिए आत्मा के हनन को पाप समझता है ।

जब से विज्ञान का उदय हुआ संसार के अधिकांश देशों में आज अतीत पराजित और वर्तमान विजयी हुआ है । केवल भारत ही ऐसा देश है जहाँ अतीत आज भी युद्ध कर रहा है । यह संग्राम भारत में लंबे समय से चल रहा है । लेकिन भारत का अतीत आज भी न तो दुर्बल है न अप्रासंगिक । भारत का अतीत हमेशा वर्तमान को साथ लेकर भविष्य की ओर बढ़ने का आदी रहा है । आज भी वह अपने पथ पर अग्रसर है । रामकृष्ण और विवेकानंद, तिलक और अरविन्द ये सभी महापुरुष अतीत के पक्षधर थे । ये वर्तमान को समेट कर भविष्य की ओर बढ़ने की शिक्षा दे गए हैं । महात्मा गाँधी सबसे पहले अतीत की आवाज़ थे । आचार्य विनोबा भावे भी अतीत के चश्मे वर्तमान और भविष्य को देख रहे थे । रवीन्द्रनाथ टैगोर नवीन होते हुए भी प्राचीनता के सबसे बड़े समर्थक थे । आज भी हमने अतीत को छोड़ा नहीं है । अतीत हमारी सबसे बड़ी धरोहर है ।

(594 शब्द)

SPECIMEN

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPECIAL SHEET FOR PRECIS

Write one word in each division and five words in each line. Punctuate your passage in the usual way and divide it into paragraphs, if necessary. You may make a rough copy first, if you so wish, on the rough pages in the answer-book. The rough work should be scored through before you hand over your answer-book.

					Do not write on this margin
					10
					20
					30
					40
					50
					60
					70

SPECIMEN

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPECIMEN

					160
					170
					180
					190
					200
					210
					220
					230

उम[illegible]ारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPECIMEN

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

240

250

260

270

280

290

300

SPECIMEN

Q4. **निम्नलिखित गद्यांश का अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए :** **20**

उम[redacted]रों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

यह जीवन का सत्य है कि यदि चलते समय आप सचेत होकर न चलें तो आपका पैर कीचड़ या गड्ढे में जा सकता है । यही सत्य विज्ञान के बढ़ते चरणों के साथ भी चरितार्थ होता है । यदि हम उसका प्रयोग मानव कल्याण और विकास के लिए करते हैं तो विज्ञान वरदान बन जाता है । उसकी उपादेयता को कोई नकार नहीं सकता । किंतु यदि उसका उपयोग विध्वंसकारी कार्यों के लिए होता है तो विनाश का कारण बन जाता है और अभिशाप सिद्ध होता है । इस विध्वंसकारी रूप के कारण ही विज्ञान से हमें जो भौतिक सुख-सुविधाएँ मिली हैं वे हमें मानसिक सुख व शांति प्रदान करने में असमर्थ सिद्ध हो रही हैं । भौतिक प्रगति के साथ मानव-जीवन अत्यंत व्यस्त, व्यावसायिक और भौतिकतावादी होता गया है । फलतः विज्ञान और उसकी उपलब्धियों ने मानव को आत्मिक सुख-शांति से वंचित कर दिया है । नैतिक मूल्यों और मानवीय संबंधों का ह्रास हुआ है । किंतु इसमें दोष मानव का ही है जिसने इसके दुरुपयोग से स्वयं को भीषण संकट में डाल दिया । बड़े-बड़े संहारक अस्त्र इसी के प्रमाण हैं ।

यदि मनुष्य अपने व्यक्तिगत स्वार्थों को छोड़कर जनहित के विचार से विज्ञान के बढ़ते चरणों का उपयोग करे तो निस्संदेह ये चरण मानव प्रगति के लिए मंगलमय सिद्ध होंगे ।

SPECIMEN

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPECIMEN

उम्मी[redacted] को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPECIMEN

Q5. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **20**

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

One of India's greatest musicians was M.S. Subbulakshmi, affectionately known to most people as 'MS'. Her singing brought joy to millions of people not only in all parts of our country, but in other countries around the world as well. In October 1966, MS was invited to sing in the great hall of the General Assembly of the United Nations in New York, while representatives of all the member countries listened. This was one of the greatest honours ever given to any musician. For several hours MS kept that international audience spellbound with the beauty of her voice and her style of singing; when the concert was over, the entire audience stood up and clapped as a sign of their appreciation of not only the singer but of the great music that she had carried with her from an ancient land. India could not have had a better ambassador. MS was the first musician ever to be awarded the 'Bharat Ratna', India's highest civilian honour. She was the first Indian musician to receive the Ramon Magsaysay Award in 1974 with the citation reading "exacting purists acknowledge Shrimati M.S. Subbulakshmi as the leading exponent of classical and semi-classical songs in the Carnatic tradition of South India".

SPECIMEN

उम्मी[redacted] को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPECIMEN

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPECIMEN

Q6.(a) **निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए :** ***2×5=10***

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(i) अँगूठा दिखाना *2*

(ii) आँखों में धूल झोंकना *2*

(iii) ईंट का जवाब पत्थर से देना *2*

(iv) दाँत खट्टे करना *2*

(v) पापड़ बेलना *2*

SPECIMEN

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Q6(b) निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए : *2×5=10*

(i) आप अपना काम करो । *2*

(ii) मेरे भाई अध्यापक है । *2*

(iii) अगर आप चाहें तो मैं यह कलम आप को दे सकता था । *2*

(iv) दो ग्लास में दूध लाओ । *2*

(v) आकाश में बादल मंडरा रही है । *2*

SPECIMEN

Q6(c) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए : *2×5=10*

उ[redacted]ारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(i) पानी *2*

(ii) कमल *2*

(iii) पत्नी *2*

(iv) बच्चा *2*

(v) पैर *2*

SPECIMEN

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Q6(d) **निम्नलिखित युग्मों को इस तरह से वाक्य में प्रयुक्त कीजिए कि उनका अर्थ एवं अंतर स्पष्ट हो जाए :** ***2×5=10***

(i) अवलंब – अविलंब *2*

(ii) सबल – संबल *2*

(iii) जलद – जलज *2*

(iv) मातृ – मात्र *2*

(v) गृह – ग्रह *2*

SPECIMEN

रफ़ कार्य के लिए जगह

SPECIMEN

रफ़ कार्य के लिए जगह

SPECIMEN

रफ़ कार्य के लिए जगह

SPECIMEN

रफ़ कार्य के लिए जगह

SPECIMEN

रफ़ कार्य के लिए जगह

SPECIMEN

रफ़ कार्य के लिए जगह

SPECIMEN

कृपया इस पृष्ठ पर कुछ भी न लिखें और इसे खराब भी न करें ।

Kindly do not write anything on this page and also do not soil it.

कार्यालय के प्रयोग हेतु **For Official Use**	कार्यालय के प्रयोग हेतु **For Official Use**
परीक्षक के हस्ताक्षर **Signature of Examiner(s)**	

प्राप्तांक के विवरण (केवल परीक्षक द्वारा भरा जाए) / **Marks Details (To be filled by the Examiner(s) only)**

प्रश्न सं. Question No.	अंक Marks	
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		
सकल योग/ Grand Total		

SPECIMEN